812

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVK-104

ग्रह शान्ति एवं संस्कार विधान

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. पंचांग पूजन से क्या तात्पर्य है, विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. संस्कार किसे कहते हैं। विविध आचार्यों के मतों का उल्लेख करें।

3. विवाह संस्कार विधि का वर्णन कीजिए।

4. ज्वरोत्तपत्ति शान्ति के वैदिक मन्त्रों का अर्थ सहित वर्णन कीजिए।

वा

उपनयन विधि का वर्णन कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए-

i. मूल शान्ति विचार

ii. नवग्रह मण्डल रचना

iii. विवाह लग्न विचार

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. नवग्रह परिचय का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. पंचगव्य निर्माण विधि का वर्णन करें।

3. वेदारम्भ संस्कार के मुहुर्त का वर्णन कीजिए।

4. अभिषेक की विधि का वर्णन कीजिए।

5. मूल शान्ति का प्रायोगिक विधान पर प्रकाश डालें।

6. राहु एवं गुरु शान्ति विधि का वर्णन करें।

7. नामकरण संस्कार के महत्त्व पर प्रकाश डालें।

8. टिप्पणी लिखिए–

   i. यज्ञोपवीत धारण विधि

   ii. नवग्रह परिचय

   iii. यमल जनन का परिचय